Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 4828523

Roll No. 23262000010
Total Mark 58/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_DEC-2023
Subject E010101T - CONCEPTUAL FRAMEWORK OF EDUCATI

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5						
1B	4/5						
1C	4/5						
1D	4/5						
1E	4/5						
1F	4/5						
1G	4/5						
1H	4/5						
1I	4/5						
2	NA/15						
3	NA/15						
4	NA/15						
5	12/15						
6	NA/15						
7	NA/15						
8	10/15						
9	NA/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

Date of Exam 12-12-2023 Shift first Room No. 09
Paper Code E010101T Subject Education Year/Sem I st
Name of Candidate Nitya Rastogi
Roll No. 2326200010

COE Facsimile
Signature of Invigilator
Signature of Candidate: Nitya Rastogi

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks
Total Marks in Words

Paper Code: E010101T

Signature of Evaluator

Course: Conceptual framework of Education
Session: 2023 Year/Semester: I st
Subject Name: Education
Medium: English ○ Hindi ●

Paper Code: E010101T

Exam Date: 12122023

Name of Candidate: NITYA RASTOGI

Father's Name: SANJEEV RASTOGI

महाविद्यालय का कोड
College Code: FB07

परीक्षा केंद्र का कोड
Exam Centre Code: FB07

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam: संस्थागत Regular ● / भूतपूर्व छात्र Ex-Student ○ / व्यक्तिगत Private ○ / बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.

4828523

Paper Code: E010101T

नामांकन संख्या
Enrollement Number: CSJMA23000116318

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2326200010

पेपर कोड Paper Code: E010101T

Signature of Candidate: Nitya Rastogi

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पत्रे के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. ओवल में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken thecircles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ⓪

4. Make no Stray marks o n this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की श्रेणी में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की श्रेणी में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने से पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र में विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है, तो उसको परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Sub Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Paper Code
E 0 1 0 1 0 1 T

1

Roll no. 232620

खण्ड 'अ'

प्र०1 वैदिक काल की प्रमुख शिक्षण विधियाँ क्या थी?

उ०1 वैदिक कालीन शिक्षा को गुरुकुल शिक्षा प्रणाली व प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली भी कहते थे। यहाँ गुरू के द्वारा शिक्षा दी जाती थी।

* **वैदिककालीन शिक्षण विधियाँ**

1) **प्रवचन विधि** → वैदिक कालीन शिक्षा प्रणाली में शिष्य गुरू के प्रवचनों को सुनकर उसे धारण करता था।

2) **विवेचन विधि** → इस विधि में गुरू शिष्य को विवेचात्मक ढंग से शिक्षा देता था।

3) **शास्त्रार्थ विधि** → इस विधि में गुरू शिष्य को कई शास्त्रों के विषय में शिक्षा प्रदान करता था। प्राचीन समय में अधिकतर राजा - महाराजा होते थे। बालकों को शास्त्रार्थ की शिक्षा अनिवार्य रूप से दी जाती थी।

4) **व्यावसायिक विधि** → जीविकोपार्जन के लिए गुरू को शिष्यों को कई व्यवसाय (हस्त कला, खेती, सिलाई) आदि शिक्षा दी जाती थी। विशेषकर स्त्री को ये शिक्षा दी जाती थी।

5) **चिन्तन, मनन, ध्यान धारण विधि** → इस विधि में गुरू की वचनों को सुनकर शिष्य चिन्तन करते थे फिर मनन व फिर उस पर अपना ध्यान केन्द्रित कर लेते थे।

Do Not Write anything in this Portion

6) स्वाध्याय विधि :- इस विधि में बालक स्वयं अध्ययन करके गुरु को दर्शित करते थे।

7) कहानी विधि :- इसमें गुरू शिष्यों को कहानी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता था।

8) व्याख्यान विधि :- इसमें शिक्षा गुरू के लघु शब्दों को व्याख्यात्मक रूप से प्रदर्शित करते थे।

बौद्धकालीन शिक्षा के उद्देश्य क्या थे?

बौद्धकालीन शिक्षा वैदिक कालीन शिक्षा के पश्चात् कार्य में आयी। इसमें शिक्षा देने वाले शिक्षकों को भिक्षु कहा जाता था।

* बौद्धकालीन शिक्षा के उद्देश्य :-

- बालक का सर्वांगीण विकास करना।
- अनुशासन सम्बन्धी गुण विकसित करना।
- विशेषरूप से चारित्रिक व नैतिक विकास करना।
- आत्मअभिव्यक्ति की भावना विकसित करना।
- कला कौशलों का ज्ञान प्रदान करना।
- बालक को आत्मनिर्भर बनाना।
- स्वक्रिया को प्राथमिकता देना।
- सामूहिकता की भावना का विकास करना।
- सार्वभौमिक शिक्षा को महत्व।
- व्यवसायिक शिक्षा मूलरूप से।
- गुरुओं का सम्मान करना।
- क्षेत्रीय व लोकभाषा को महत्वता।

प्र०3 शिक्षा के वास्तविक अर्थ से आप क्या समझते हैं?

उ०3

* "शिक्षा से अभिप्राय, बालक में उस प्रशिक्षण से है जो बालक में अच्छे गुणों को विकसित कर सकें।"

प्लेटो के अनुसार

शिक्षा का अर्थ कई रूपों में परिभाषित है, प्रत्येक व्यक्ति शिक्षा के अर्थ शारीरिक, मानसिक गुणों आदि से समझता है। अधिकतर शिक्षा के अर्थ को संकुचित, व्यापक, विश्लेषणात्मक, प्रचलित, व्यावसायिक से समझते हैं, परन्तु शिक्षा का वास्तविक अर्थ — "बालक में अच्छे गुणों को निहित करना तथा चरित्र व्यवहार से है।"

कई महान शिक्षाविदों ने भी कहा है कि.

"If Wealth is lost, Nothing is lost, If Health is lost something is lost but if character is lost, Everything is lost."

वास्तविक अर्थ में शिक्षा जीविकोपार्जन, सर्वांगीण विकास आदि से भी है।

- According to Aristotle, "Education is the creation of healthy mind in healthy body."

Do Not Write anything in this Portion

प्र०4 शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों के नाम बताइए।

उ० शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य कई मुकामों को हासिल कर लेता है, परन्तु यदि शिक्षा ही न हो तो बालक का सम्पूर्ण जीवन ही व्यर्थ है।

शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक

- शारीरिक तथा मानसिक विकास में कमी।
- सम्पूर्ण शैक्षिक वातावरण न होना।
- आर्थिक समस्या।
- प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव।
- सामाजिक कुरीतियों का होना।
- समाज का पिछड़ापन।
- राष्ट्रीयता की भावना न होना।
- जागरूकता न होना।
- अपव्यय की समस्या।
- अवरोधन की समस्या।
- गरीबी।
- महंगी शिक्षा प्रणालियाँ।

प्र०5 राष्ट्रीय एकीकरण [illegible] शिक्षा से आप क्या समझते हैं?

उ०5 राष्ट्रीय एकीकरण से तात्पर्य उस शिक्षा से है जो हमे राष्ट्र के सम्बन्ध में दी जाती है।

* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान व प्रशिक्षण परिषद के अनुसार –

"राष्ट्रीय एकीकरण

से अभिप्राय उस शिक्षा से है, जो हमें राष्ट्र के प्रति नैतिक, कार्यान्वित व कुशलता जैसी भावनाओं का विकास करती है।"

"राष्ट्रीय एकीकरण की भावना का मुख्य उद्देश्य हम की भावना है।"

* राष्ट्रीय एकीकरण के लिए शिक्षा :-

- राष्ट्र में हम की भावना का विकास करना।
- विद्यालयों में राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम करना।
- देश के महान नागरिकों के बारे में बालकों को अवगत कराना।
- लिंग, जाति, धर्म के नाम पर विद्यालय में भेदभाव न किया जाना।
- विभिन्न गोष्ठियों कराना।
- सामूहिक शिक्षा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- पाठ्यक्रम में राष्ट्रीयता के सम्बन्धित विषय होना।

यदि सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय एकीकरण की शिक्षा को लेकर जागरूकता फैलायी जाएगी तो युद्ध जैसे परिणाम विकसित नहीं होंगे।

प्र०८ औपचारिक शिक्षा से आप क्या समझते हैं?

उ० औपचारिक शिक्षा को विद्यालय शिक्षा या नियमित शिक्षा भी कहते हैं। औपचारिक शिक्षा से सम्बन्ध विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा से है। औपचारिक शिक्षा मुख्य रूप से केन्द्रित

शिक्षा से सम्बन्धित है।

- जे० एस० मैकेन्जी के अनुसार, "औपचारिक शिक्षा से तात्पर्य नैतिक तथा निश्चित रूप तथा सचेतनपूर्वक दी जाने वाली शिक्षा से है।"

औपचारिक शिक्षा, निश्चित समयावधि, निश्चित स्थान, निश्चित विशेष व्यक्ति, निश्चित पाठ्यक्रम, निश्चित विषयवस्तु के आधार पर होती है।
औपचारिक शिक्षा का साधन मुख्य रूप से — विद्यालय, पुस्तकालय, कोचिंग सेन्टर, म्यूजियम आदि होते है।

"औपचारिक शिक्षा में सीखने के उद्देश्य निश्चित होती है।"

प्रश्न 30 मूल्य शिक्षा से आप क्या समझते है?
मूल्य को अंग्रेजी में Value कहते है। किसी भी व्यक्ति को मूल्य शिक्षा देना अनिवार्य है। क्योंकि यदि कोई व्यक्ति किसी वस्तु का मूल्य नहीं समझेगा तो वह व्यर्थता जीवन नष्ट कर लेगा।

उ० मूल्य शिक्षा - मूल्य शिक्षा के अन्तर्गत, शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, संवेगात्मक आदि विकास को मनोवैज्ञानिक ढंग से कार्यरत किया व विकसित किया जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

प्र०8 विश्वविद्यालय कितने प्रकार के होते हैं?

उ० विश्वविद्यालय शब्द (विश्व + विद्या + आलय) से मिलकर बना है। विश्व - जगत, विद्या - ज्ञान (शोध) आलय - घर। अर्थात ऐसी संस्था जहाँ शोध कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और जहां शोध कार्य होते हो।

विश्वविद्यालय एक ऐसी संस्था है, जहाँ उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है तथा शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात स्नातक डिग्री, परास्नातक डिग्री, डिप्लोमा आदि दिया जाता है।

* विश्वविद्यालय प्रकार

मुख्य रूप से विश्वविद्यालय चार प्रकार के होते हैं परन्तु अब दो विश्वविद्यालय और सम्मिलित हो गए हैं, जिन्हे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त हो गयी है।

1) केन्द्रीय विश्वविद्यालय
2) राज्य विश्वविद्यालय।
3) निजी विश्वविद्यालय।
4) डीम्ड विश्वविद्यालय।
5) अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय।
6) मुक्त विश्वविद्यालय।

प्र०9 उच्च शिक्षा की अवधारणा क्या है?

उ० उच्च शिक्षा (Higher Education) वे शिक्षा है जो माध्यमिक शिक्षा के पश्चात आती है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोग अनुदान दिया जाता है। जिससे वे कार्यरत होती है। यह शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत पाठ्यक्रमित होती है।
NEP 2020

खण्ड 'ब'

प्र० भारतीय संविधान में कितनी सूचियाँ होती है, संविधान के मौलिक अधिकारो का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उ० संविधान शब्द सम + विधान शब्द से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है - सम अर्थात् समानता व विधान अर्थात् नियम या कानून।

अर्थात् संविधान वह है जिसमें नियमों व कानूनों के द्वारा सरकार, शासन चलाती है जिसमें पूर्ण स्वतन्त्रता के राज्य पर साथ सभी कार्य किए जाते हैं।

भारतीय संविधान की सूचियाँ

भारतीय संविधान में कई सूचियों को सम्मिलित किया गया, यह सूचियाँ मुख्य रूप से संघात्मकता पर आधारित हैं।

1 **संघ सूची** → इस सूची के अन्तर्गत 97 सूचियाँ सम्मिलित है। इसमें संघ के कार्यपालन आदि सम्मिलित होते हैं।

2 **राज्य सूची** → इस सूची के अन्तर्गत 63 सूचियाँ सम्मिलित है। इसमें राज्य के नियम, नागरिकों के अधिकार आदि सम्मिलित होता है।

Do Not Write anything in this Portion

3) सामूहिक सूची –

इस सूची के अन्तर्गत 47 सूची प्रावधान सम्मिलित है। इसमें व्यावसायिक अधिकार, जाति समानता आदि नियम सम्मिलित हैं।

यद्यपि संविधान एकात्मक गुण की तरफ बल देता है परन्तु संविधान की सूची संघात्मक होते हुए भी एकात्मक को प्रभावित करती है।

* भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार

"मौलिक अधिकार, वे अधिकार होते हैं, जो नागरिकों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं तथा नागरिकों के हित में होते हैं।"

मौलिक अधिकार पहले 7 थे, परन्तु 44वें संशोधन के पश्चात् सम्पत्ति का अधिकार (31) हटा दिया गया। अब भारतीय संविधान में मात्र 6 संविधान के मौलिक अधिकार हैं, ये अनुच्छेद 12 – 32 'A' तक सम्बन्धित हैं –

1. समता या समानता का अधिकार –
(अनुच्छेद 14 से 18)

- कानून के समक्ष समानता व समान संरक्षण। (अनु० 14)
- लैंगिक, जाति, धर्म आदि असमानताओं को मिटाना। (अनु० 15)
- रोजगार सम्बन्धी समानता (अनु० 16)
- छुआछूत का अन्त। (अनु० 17)
- उपाधियों का अन्त। (अनु० 18)

Do Not write anything in this Portion

2) स्वतन्त्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22)

- समान वेतन।
- कार्य करने, अपने मन अनुसार कार्यकरने।
- जाति भेदभाव न करने।
- कही भी आने जाने।
- स्त्रियों को पुरुषों की बराबरी।
- मताधिकार समानरूप से।
- समान वेशभूषा।
- शान्ति के साथ सभी कार्य।

3). शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

- सभी को समान शिक्षा का अधिकार।
- अनुसूचित जाति स्त्री शिक्षा का अधिकार।

4) धर्म की स्वतन्त्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)

- प्रत्येक धर्म का प्रचार प्रसार।
- प्रत्येक धर्म को प्रधानता।
- विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा देना।
- आध्यात्मिकता को प्रधानता।

3). सांस्कृतिक अधिकार (29-30)

- अपनी संस्कृति को बढ़ावा देना।
- संस्कृति का प्रचार - प्रसार व सांस्कृतिक कार्यक्रम करना।

5) शोषण के विरूद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

- बालकों से बाल-मजदूरी न करवाना।
- जबरदस्ती कोई कार्य न कराना।

6) संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)

- सभी को समान उपचार देना अमीरी गरीबी न समझना।

भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार नागरिकों के हित में है तथा नागरिकों को पूर्ण स्वतन्त्रता से इसका उपयोग कर सकते है।

खण्ड - 'स'

प्र० माध्यमिक शिक्षा क्या है? भारतीय शिक्षा प्रणाली में माध्यमिक शिक्षा के उद्देश्य व महत्व को विस्तार में समझाइए।

उ० माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education)

माध्यमिक शिक्षा वह शिक्षा है जो प्राथमिक शिक्षा के बाद दी जाती है यह शिक्षा उच्च शिक्षा की तैयारी के लिए दी जाती है। माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने की अवधि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार (वर्ष 14 - 18) तक होती है।

माध्यमिक शिक्षा को सम्पूर्ण शिक्षा भी माना जाता है क्योंकि अधिकतर लोग इस शिक्षा के बाद शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

* माध्यमिक शिक्षा के उद्देश्य

माध्यमिक शिक्षा के निम्न उद्देश्य है -

1) अच्छे नागरिक का निर्माण।
2) व्यावसायिक शिक्षा के लिए।
3) राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
4) बालक का सम्पूर्ण विकास।
5) पूर्ण शिक्षा [illegible] होना।
6) कला-कौशल का सम्पूर्ण ज्ञान।
7) भावी जीवन तथा भविष्य के लिए तैयार करना

* माध्यमिक शिक्षा का महत्व

माध्यमिक शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। इसके निम्न बिन्दु है —

1) मानव को भावी जीवन के लिए जीविकोपार्जन करने में सहायक।

2) कुछ व्यक्ति आर्थिक समस्याओ के कारण केवल माध्यमिक शिक्षा ही प्राप्त करते है। वही उनकी भविष्य की सम्पूर्ण

शिक्षा होती है।

3) कुछ स्त्रियों व बालिकाओं की शादी कर दी जाती है तथा उन्हे उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नही मिलता।

4) उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक समस्या के कारण कुछ बालक अपना रोजगार प्रारम्भ कर देते है। साथ ही उच्च शिक्षा भी ग्रहण करते रहते है।

5) उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।

6) • भविष्य में कुछ भी प्राप्त करने के लिए माध्यमिक शिक्षा आवश्यक है।

माध्यमिक शिक्षा बालक के जीवन की आधारशिला है। माध्यमिक शिक्षा <u>सम्पूर्ण शिक्षा</u> कहलाती है।

(Education is the key of SUCCESS)

Roll no. 2326200010

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything

Paper Code

17

Paper Code

18

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

19

Paper Code

. Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

X

Paper Code

22

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

23

X

Paper Code

24

Do Not Write anything in this Portion